



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

लोक संपर्क

दिनांक ५....३....२०२१...पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....५.....

वर्तमान में विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डा. कुलदीप

जासं, हिसार : आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा।

जो सीखेंगे नहीं, सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विज्ञानी एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डा. कुलदीप सिंह ढाँडसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएग्रू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि सभोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रे. समर सिंह ने को जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा बवाज़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनीरुद्र मास्टर
दिनांक ५.३.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम ५-५.....

एचएयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम

हिसार | आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा, जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी कॉलेज के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढांडसा ने व्यक्त किए। वे एचएयू की एचएयू साइंस फारम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की ओर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा बवात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने डॉ. सीवी रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी चर्चा की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ न्यूज	04.03.2021	--	--

एचएयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित

■ अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढाँडसा सहित
अन्य वैज्ञानिकों ने रखे विचार

हिसार (सच कहूँ न्यूज)।

आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ऐ विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मीलिंक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढाँडसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस

वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोनेप का शिक्षा, कार्ब और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना

जाएगा जो सीखेंगे नहीं, सीखे हुए को मूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी वह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस काविल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	04.03.2021	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जटिली : डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी जिज्ञा में हर सर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचित्तन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं योगिक एवं मानविकी योगिविद्यालय के पूर्व अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फैरम हाई आयोजित वर्दुअल गण्डीय विज्ञान दिवस में बौद्धि-मुद्दातीय संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष गण्डीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का विज्ञान, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधित प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता भी जुट रहे। कार्यक्रम के जुभारेभ अवसर पर स्नातकोत्तर अविष्टाता डॉ. आशा बवाज़ा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत



दुना पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधित प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और उक्त पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करने कुछ उन्हें अवश्य पिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बताने अपने करियर को बढ़ाने के लिए प्रोत्तरीत किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की अनेकता लोकों विज्ञान के बीच में अपना सोचना दे सके और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कुणि के दोनों ओर माझी लाली है और वर्तमान में कुणि कोड में नई नई लकड़ीकों का विकास हो रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. विश्वविद्यालय ने बहुत ही सख्त शब्दों में विज्ञान एवं उक्तनीकों के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपर्योग करके मानव जीवन को सख्त बनाने की लक्ष्य विद्यार्थियों का जनकारी दी। पर्सिस्ट विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजेन्द्र राजेन्द्री विज्ञान विभाग के अवसर पर वाह-विलाप प्रतियोगिता, प्रस्तोता अनिवार्यता, दृष्टि और फैटेंट जैसी विज्ञान योगीताओं का अध्यायन किया गया।

कहाया। मुख्यातीय ने कहा कि आने वाला जाएगा जो सीखेंगे नहीं सीखे हुए को समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख दीवार से नए तरीके से सीखने की दीवार से नए तरीके से सीखने की



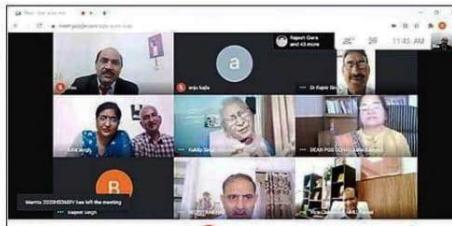
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	03.03.2021	--	--

एचए में आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींदसा सहित कई वैज्ञानिकों ने रखे विचार आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींदसा

पांच को न्यूज़

हिसार आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी सकार हो पायगा जब हम सम्पर्क के साथ विज्ञान के बहुल सिद्धांतों को आत्मसात करें। आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर सत्र पर आवश्यकतावास, आत्मसम्मान और अत्मचिन्तन को अपनाना होगा। ये विचार अत्यधिक छात्रों प्राप्त वैज्ञानिक एवं योगिलक्षणों को आवश्यकतावास के पूर्ण अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ढींदसा ने व्यक्त किए। वे योग्यता संहिते हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एवं एचए साइंस फॉरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बताए गए एकार्यक्रम के लिए थे। इस वर्ष एकार्यक्रम के लिए विज्ञान का मुख्य सिद्धांत विज्ञान, तकनीकी और नवीनीय का विद्या, कार्य और कौशल पर प्रधान रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि एचए कृषि विश्वविद्यालय के स्वामित्व विभाग से प्रोफेसर विज्ञान दिवस में नए नए कार्यक्रम के लिए विज्ञान की विद्या का विवरण दिया गया। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैशिक सत्र पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विद्यालय की सम्पर्क से अवगत करना होगा कराया। मुख्यताविधि ने कहा कि अनेक वाताना सम्पर्क विज्ञान का है और 2-1 वी सदी में वो युवा पीढ़ी को दिमाग शरीर बहुत है लैंगिक लाग अनुषद नहीं होती जो एवं और लिंग उसको सही दिशा देते हुए मानवता को भली भांडते हुए अन्य जाति जाएगा जो सोचते नहीं, सोचते हुए को भली नहीं आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस कार्यक्रम के लिए प्रधान में लाता अति अवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस कार्यक्रम के लिए हम प्रकार की परिवर्तियों में स्वयं को बदल सकती है। मुख्यताविधि ने डॉ. सी.ओ. सम के जीवनसाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। योग्यता सहित की लेकर विद्यालय के जीवनसाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी।



करते हुए कार्यक्रम की स्थापत्य से अवगत कराया। मुख्यताविधि ने कहा कि अनेक वाताना सम्पर्क विज्ञान का है और 2-1 वी सदी में वो युवा पीढ़ी को दिमाग शरीर बहुत है लैंगिक लाग अनुषद नहीं होती जो एवं और लिंग उसको सही दिशा देते हुए मानवता को भली भांडते हुए अन्य जाति जाएगा जो सोचते नहीं, सोचते हुए को भली नहीं आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस कार्यक्रम के लिए हम प्रकार की परिवर्तियों में स्वयं को बदल सकती है। मुख्यताविधि ने डॉ. सी.ओ. सम के जीवनसाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। योग्यता सहित की लेकर विद्यालय के जीवनसाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी।

को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को दिमाग शरीर बहुत है लैंगिक उसको सही दिशा देते हुए मानवता को भली भांडते हुए अन्य जाति जाएगा जो सोचते नहीं, सोचते हुए को भली नहीं आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस कार्यक्रम के लिए हम प्रकार की परिवर्तियों में स्वयं को बदल सकती है। मुख्यताविधि ने डॉ. सी.ओ. सम के जीवनसाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। योग्यता सहित की लेकर विद्यालय के जीवनसाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी।

युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि अनेक वाताना सम्पर्क विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए और विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। याकि हमारे देश को अनेक योग्यता देने देखने देखने की ओर तकों हो सकता। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने काफ़ि के बेत्र में अवसर पर वाद-विवाद प्रतिभाविता, प्रदर्शनीरूप प्रतिभाविता, ड्राइंग और बैंडिंग जैसी विभिन्नताएँ का अवधान किया गया।

इसमें जिलेपर से करीब 12 स्कूलों और 6 कलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एवं एक सार्वजनिक घोरण के सचिव डॉ. कलजीत साहरण ने बताया कि प्रत्येक स्थान में जीवन वां बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ष में प्रसम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर अनेक वाताना प्राप्तभावनाएँ की समाप्तिनी विज्ञान उत्सव नामक विद्या दिवस के उत्सव के समय में मनाते हैं। इस उत्सव में योग्य विद्यार्थी अत्यधिक ख्याति के विभिन्न संघर्षों के विशेषज्ञ व्यक्तियों का भी अवधान किया गया। इस दीनान एवं एक सार्वजनिक घोरण के संबुद्ध सचिव डॉ. जाता सिंह और डॉ. अश्वीन नादर ने सम्मिलित विद्यार्थी उत्सव के उत्सव के लिए योग्य विद्यार्थी अवधान किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज, मण्डलांग एवं कृष्ण अधिकारी डॉ. रामेश गोप, भौतिकी के विभागाधार्य डॉ. पाल सिंह, डॉ. रीटा दीवाय, डॉ. लोकालय के अवधान विभिन्न विभागों के विभागाधार्य, निदिलकों नामित कई स्कूलों और कलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस

डे-2021 में हिस्सेदारी की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.03.2021	--	--

हिसार आसपास

हिसार, बुधवा

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींडसा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर विद्यार्थी और अन्य विद्यार्थी ने विद्यार्थी और अन्य विद्यार्थी को आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करने के लिए जरूरी माना।



हिसार : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संबोधित करते मुख्यमंत्री व गृहमंत्री अमन बहादुर माधा जायिन जो

विज्ञान का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवीनीय का शिक्षा, कानून और कौशल पर प्रधान रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और पर यहां बनाने के लिए युवा अनन्द नहीं होगे जो पढ़ और लिख सकते

मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान ने विद्यार्थी तक विज्ञान के विषय पर अपने विचार देते हैं। उन्होंने विज्ञान को उद्योग करके मानव जीवन को सलाल बनाने को लेकर जानकारी दी। मीलिंक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. रामचंद्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बाद-विचार प्रतियोगिता, प्रग्नातंत्री प्रतियोगिता, द्वारा और पीटीटी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ का आयोजन किया गया। इसमें विलेभ से कक्षों 12 स्कूलों और 6 कालिंजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के कृतियोगिता डॉ. शी.आर. कंबोज, डॉ. राजेश गेगा, डॉ. पाल सिंह, डॉ. रोहत दीमा, डॉ. लीलालता के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाधारक, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कालिंजों के विद्यार्थियों ने इस बृहुत नेतृत्व साइंस केंद्र 2021 में सिंगरत की।

विज्ञान का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवीनीय का शिक्षा, कानून और कौशल पर प्रधान रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और पर यहां बनाने के लिए युवा अनन्द नहीं होगे जो पढ़ और लिख सकते

सकता। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को विभिन्न शिविर बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देने हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह सभव हो

सकता। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को विभिन्न शिविर बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देने हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर युवा पीढ़ी को विज्ञान के शेष में अपना योगदान देने के लिए अपने योगदान देने सकते हैं।

कृलप्ति प्रौ. समर सिंह ने कहा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.03.2021	--	--

समस्त हरियाणा

बुधवार, 3 मार्च, 2021

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा

एचएयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करें। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी जिक्र में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मविनंति को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने व्यक्त किए। वे जीधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्तुल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरुक्षेत्र प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से अनेक विद्यार्थी को विज्ञान के प्रति प्रेरित युवा योगी को विज्ञान के प्रति प्रेरित हुए उन्हें अवसर दिए जाने मीजूद रहे।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर खातकोतर अधिकारी डॉ. आशा कात्रा ने सभी अतिथियों विश्वविद्यालय के कुलपति की उपरोक्त कार्यक्रम की रूपरेखा से अवधारणा करते हुए कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि अनेकाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तकी हो सकें।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बी.आर. कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पौल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलाकर्ती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्तुल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12 स्कूलों और 6 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बतौर अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयंत सिंधु और डॉ. उवेशी नादल ने सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लिया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पौल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलाकर्ती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्तुल नेशनल साइंस डे-



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	03.03.2021	--	--

स्थानाय-वावध

हिसार, बुधवार, 03 मार्च 2021

3

'युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह सभी परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है'

हिसार-02 मार्च/रिपोर्टर

आत्मनिर्भाव का सपना तभी साकृत हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आनंदसामन करेंगे। आत्मनिर्भाव बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मविनंदन को अपनाना होगा। ये विचार मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिकारी डॉ. कुलपति पंडित हॉम्डसा ने व्यक्त किया। वे एचएच्यू साईंस फॉर्मस द्वारा आयोजित बच्चे अला राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बच्चों मुख्यालियत संवादित कर रहे थे। इस वर्ष गोद्योग विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेय का शिक्षा, कार्य और काशल पर प्रधान रुख घोषित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुलपति विश्वविद्यालय के स्थानक विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मीनूर्दूर हैं। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. अशा बवाज़ी ने सभी अंतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यालियत ने कहा कि अनेक वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वे लोग अनावृत नहीं होंगे जो पहुँच और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनावृत माना जाएगा जो भूलेंगे नहीं, सो युवा हुए अपनी योगदान और नाना बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सोखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में कृपि के स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लोकन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति अवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यालियत ने डॉ. सोनी सन के जीवनकाल व उनकी उपलक्ष्यों पर भी चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि अनेक वाला समय विज्ञान का है और युवा

पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतार अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की अनेकालीन पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृपि के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और वर्तमान में कृपि के क्षेत्र में नई-नई तकनीकों के विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सख्त शब्दों में विज्ञान एवं साइंस फॉरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयते तकनीकी के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपरोक्त कार्यक्रम के मानव जीवन को सरल बनाने को लेकर जानकारी दी। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि गोद्योग विज्ञान दिवस के अवसर पर बाद-विवाद, प्रतिभागियों के विभागाभ्यास और अलावा विभिन्न विभागों के विभागाभ्यास, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कालेजों के विद्यार्थियों ने इस बच्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

स्कूलों और 6 कालेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एचएच्यू साइंस फॉरम के सचिव डॉ. बलजीत सरारण ने बताया कि प्रत्येक स्वर्ध में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर अनेक वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल साल हम गोद्योग विज्ञान दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हैं। इस दौरान गोद्योग और अंतर्राष्ट्रीय योग्यता के विभिन्न संघर्षों के विशेष व्युत्ख्याताओं का है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सख्त शब्दों में विज्ञान एवं साइंस फॉरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयते रियु और डॉ. उर्वशी नरेल ने सक्रिय रूप से कायदङ्गों में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति विवाद, डॉ. बीआर कंवोज, भण्डारण एवं क्रूय अधिकारी डॉ. गोपेश गोप, भौतिकी के विभागाभ्यास डॉ. पाल सिंह, डॉ. रीटा दत्तिया, डॉ. लोलावती के अवसर पर बाद-विवाद, प्रतिभागियों के विभागाभ्यास, प्रस्तोतारी प्रतिभागियों, डॉइंग और पैटेंटों के जीर्सी विभिन्न गतिविधियों का अयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	03.03.2021	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा



पाठकपत्र नं०४

हिसार, ३ मार्च : आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करें। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचित्तन को अपनाना होगा। ये विचार अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिद्याता डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने व्यक्त किए।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्षुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बताए जाएगा जो सोमवारी नहीं सोमवार हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सोखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि

युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान को आँखें और युवा पीढ़ी को विज्ञान के बच्चों को बताएं अपने करियर को बुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगान दे सकें और हमारे देश की ओर तरकी हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में क्रांति लाई है और बहमान में कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकों का विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जयंति शर्मा ने विषय पर अपने विचार रखे। एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बलवीत सराण ने विचार के प्रत्येक स्तर्धा में तीन वर्ष बनाए गए थे। त्रितीक वर्ष में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर अने बाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संचयन सचिव डॉ. जयंति शर्मा और डॉ. उमरी नादेल ने सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लिया। इन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंवोज, भण्डारण एवं क्रृषि अधिकारी डॉ. राजेश गग्ना, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पाल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई दूसरों और कालेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्षुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

विज्ञान जगत में वैश्वक स्तर पर भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस विज्ञान की तरफ आकर्षित करना काफिल है कि वह हर प्रकार की होंगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शब्द सबुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	03.03.2021	--	--

ਛਿਸਾਰ ਟੁੰਡੇ

हिंसाएँ-आल्पपाल

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींदसा
अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींदसा सहित अन्य वैज्ञानिकों ने रखे विचार

टुडे न्यूज़ | हिसार

आत्मनियम भरत का सामना तभी
सकार हो पाया जब हम समय के
साथ जिसां के बदलते सिद्धान्तों
पर अपनी विशेषता बनाए बनाए
के दिल हम अपनी विशेषता में रह सकते
एवं अतिरिक्तरूप आधिकारिक अधिकारी
एवं आत्मनियम को अपनाना होता।
ये विचार अंतर्राष्ट्रीय विवाह प्राप्त
वैज्ञानिक एवं पौराणिक या भारतीय
मानवाधारण के पुरुष अधिकारी डॉ.
कुलदीप सिंह दीमान ने व्यक्त किया।
कुलदीप चरण से हार्षगांगा कुमार
विविधविवाहालय की एवं उपर्युक्त
फोरम द्वारा आयोगी वर्चुअल
विवाह विवरण विवरण एवं वर्तमान



[View Details](#) [View Details](#) [View Details](#) [View Details](#) [View Details](#)

मुख्यालय संबोधित कर रहे थे।
इस वर्ष गणराज्य विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोपेक्षा का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के उच्चाधिकारी प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कार्यक्रम विश्वविद्यालय के



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	03.03.2021	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी: डॉ. ढींडसा

पल पल न्यूजःहिसार, 3 मार्च। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचित्तन को अपनाना होंगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के सुधारण अवसर पर ज्ञातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कौत्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं, सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह सभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकत है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की अनेकाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरकी हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	03.03.2021	online	--



अतरराष्ट्रीय छाति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ठीड़सा सहित अन्य वैज्ञानिकों ने रखे विचार

प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अवश्यक वर्ष। इस परीक्षा के लिए उन्नीस वर्षीयों का विद्यार्थी आवश्यक है। इस परीक्षा के लिए उन्नीस वर्षीयों का विद्यार्थी आवश्यक है। इस परीक्षा के लिए उन्नीस वर्षीयों का विद्यार्थी आवश्यक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज़मीन

दिनांक ५.३.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....६.८.....

किनू में सूत्रकृमि से बचाव के प्रति किया जागरूक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा बुधवार को गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किनू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में किया गया।

डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। गांव का चयन किनू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण



किनू खेत दिवस के दौरान किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक। संचाद

परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। किनू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इल्ली, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने बताया कि फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ब्लूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लोक संपर्क मासिक

दिनांक ५.३.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....५.६.....

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या के प्रति किया अवेयर



हिसार | एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बराता किशनगढ़ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में किन्नू खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार और एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भूमि कृषि वेतन

दिनांक ५.३.२०२१ पृष्ठ संख्या ७ कॉलम ५-६

किसानों को किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या व समाधान पर किया जागरूक

● कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार, ३ मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन डा. पी. एम. मीना ने



किन्नू खेत दिवस के दौरान किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।

प्रधान वैज्ञानिक डा. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकृमि की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैरर, ग्रीनिंग

आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डा. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबॉर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेरिंग मेटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण कर-के जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना ३ से ४ साल तक चलेगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज़	03.03.2021	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय नारी जीव प्रबन्धन अनुसंधान,
केंद्र नई दिल्ली द्वारा गोव खारा
बरवाला किशनगढ़ को अधीकृत
किया गया है। डॉ. नरेंद्र कुमार

पल पल न्यूज़:हिसार, 3 मार्ची।
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र
सदलगुरु द्वारा गोव खारा बरवाला
किशनगढ़ में किन्नू खेत विवर का
आयोजन किया गया। कार्यक्रम का
आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान
परिषद के राष्ट्रीय नारी जीव प्रबन्धन
अनुसंधान संबधन, नई दिल्ली के
तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र
के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने
बताया कि राष्ट्रीय नारी जीव
प्रबन्धन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली
द्वारा गोव खारा बरवाला किशनगढ़
को अधीकृत किया गया है। इस गोव
का चयन किन्नू में सम्पन्नत कीट
प्रबन्धन की एनान्तियों का विकास
व वैधिकरण परियोजना के तहत
अधीकृत किया गया है।

एन्सीआईपीए से सह-प्रोजेक्ट



इन्वेस्टिगेट डॉ. पी. एम. पीना ने
संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू
में मुख्यतः सिंड्रस सिला, चुरड़ा,
झल्ही, चेपा, सुरुँगी औट, दीमक
आदि कीट लाते हैं, जो फसल को
काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने
बताया कि इनकी रोकथाम
कोटिनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग
के द्वारा की जा सकती है। प्रयोग
वैज्ञानिक डॉ. सल्तेंद ने किसानों को
सूखकर्मों की समस्या के साथ-साथ
उनके समाधान के बारे में
विस्तारपूरक जानकारी दी। साथ ही
उन्होंने किसानों को मृदा जितना

बोगरियों की रोकथाम के लिए
ट्राइकोड्रमा का प्रयोग और
सखसखान आदि के बारे में बताया।
उन्होंने किन्नू खेत के ध्रुमण के
उत्तरात किसानों को फसल में
गोव खारा बोगरियों जैसे छाई बैक,
सिंड्रस कैकड़, गोनिंग आदि की
पहचान एवं उनकी रोकथाम के
उत्तरात बताए। डॉ. रुद्रेंद्र ने किसानों
को मित्र कीट जैसे लेलिबर्ड बीटल,

क्राइस्टोफला, मकड़ी, प्रेविंग मेटिस
आदि की पहचान व उनका संरक्षण
करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा
देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि
इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न
केवल पर्यावरण संभव होता है
बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी
असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र
सदलगुरु के संयोजक डॉ. नरेंद्र
कुमार न बताया कि यह परियोजना
3 से 4 साल तक चलेगी। इस
परियोजना के तहत प्रथम वर्ष स्विफ्ट
10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद
लिया गया है। इसके साथ-साथ
धीर-धीरे किसानों की संख्या भी
बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में
भाग लेने पर सभी का आभार
व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	04.03.2021	--	--

फिल्जू में सूत्रकृषि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गढ़ीय नागी जीव प्रबोधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संचालक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि गढ़ीय नागी जीव प्रबोधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को ऑफिकल किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में सम्भवित कीट प्रबोधन की रस्तीों का विकास व लैप्टिकरण परियोजना के लहर ऑफिकल किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित



किन्नू खेत दिवस के दौरान किसानों को जानकारी देने वैज्ञानिक।

करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिद्धसंसाधन इनी गेक्साम कोटपालकों के सुरक्षात्मक मिलता, चूरड़ा, इल्लो, चेपा, सुरगी कोट, प्रबोधन के द्वारा को जा सकती है। फ्रशन दौमक कीट कीट लगते हैं, जो फसल को वैज्ञानिक डॉ. सल्लैंड ने किसानों को सुनकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के

बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को भूमि जीवन बीमारियों की संक्षिप्त विवरण के लिए ट्रॉफिकाडरम का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भागों के उपरांत किसानों को फसल में पौजूद बीमारियों जैसे डाइं बैक, सिद्धस केकर, गोमिंग आदि की पहचान एवं उनकी गेक्साम के उपाय बताए।

डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को पित्र कीट जैसे लैंडीचर्ड बोटल, क्राइस्टलरा, मकड़ी, प्रैंगिंग मॉटिस आदि की पहचान व उनके संरक्षण करके जीविक निवेशण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन पित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संचालक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	03.03.2021	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला
किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक



गांव बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गांशीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि गांशीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समर्पित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीन ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस, चूरड़ा, झज्जी, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लाते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कोटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सर्वेंद्र ने किसानों को सूत्रकृमि

की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की गोकथाम के लिए ट्राइकोडमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवें ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइस्परला, मकड़ी, प्रेविंग मेटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों का ही गेट लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज़	03.03.2021	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

पल पल न्यूज़: हिसार, 3 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाल किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गश्तीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के द्वारा नैनंद कुमार केंद्र के संयोजक डॉ. नैनंद कुमार ने बताया कि गश्तीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाल किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चबान किन्नू में समानित कीट प्रबंधन की गणनीयताओं का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरड़ा, झड़ी, चेपा, सुरुगी कीट, दीपक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफ़ी नुकसान



पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सल्यंद्र ने किसानों को सूत्रकृमि की समस्या के साथ-साथ उनके द्वारा गांव खारा बरवाल किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चबान किन्नू में समानित कीट प्रबंधन की गणनीयताओं का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरड़ा, झड़ी, चेपा, सुरुगी कीट, दीपक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफ़ी नुकसान क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेरियंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियन्त्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नैनंद कुमार ने बताया कि वह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	03.03.2021	--	--

हकूमि ने मनाया किनू खेत दिवस

हिसार/03 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में किनू खेत दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि

कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किनू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह प्रोजैक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि

किनू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.03.2021	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किनू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने उनके समाधान के बारे में के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने संबोधित करते हुए बताया कि किनू विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन में मुख्यतः सिटस सिल्ला, चूरडा, उहोंने किसानों को मृदा जनित बताया कि यह परियोजना 3 से 4 अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव इश्ती, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक बीमारियों की रोकथाम के लिए साल तक चलेगी। इस परियोजना खारा बरवाला किशनगढ़ को आदि कीट लाते हैं, जो फसल को ट्राइकोडरमा का प्रयोग और के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ अंगीकृत किया गया है। इस गांव का काफी तुकसान पहुंचाते हैं। उहोंने रखरखाव आदि के बारे में बताया। के 2 बागों को ही गोद लिया गया चयन किनू में समन्वित कीट प्रबंधन बताया कि इनकी रोकथाम उहोंने किनू खेत के भ्रमण के है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे की रणनीतियों का विकास व कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग उपरांत किसानों को फसल में भौजूद किसानों की संख्या भी बढ़ाई वैधिकरण परियोजना के तहत के द्वारा की जा सकती है। प्रधान बीमारियां जैसे डाई बैक, सिटस जाएंगी। भाग लेने पर सभी का अंगीकृत किया गया है। वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं आभार व्यक्त किया।



उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेविंग मैटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उहोंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ अंगीकृत किया गया है। इस गांव का काफी तुकसान पहुंचाते हैं। उहोंने रखरखाव आदि के बारे में बताया। के 2 बागों को ही गोद लिया गया चयन किनू में समन्वित कीट प्रबंधन बताया कि इनकी रोकथाम उहोंने किनू खेत के भ्रमण के है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे की रणनीतियों का विकास व कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग उपरांत किसानों को फसल में भौजूद किसानों की संख्या भी बढ़ाई वैधिकरण परियोजना के तहत के द्वारा की जा सकती है। प्रधान बीमारियां जैसे डाई बैक, सिटस जाएंगी। भाग लेने पर सभी का अंगीकृत किया गया है। वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं आभार व्यक्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	03.03.2021	--	--

किन्तु में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्तु खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय

नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्तु में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है।

एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्तु में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट

लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	03.03.2021	--	--

किनू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 3 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किनू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दैरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किनू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्फ्रारेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किनू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.03.2021	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व

वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की

समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	03.03.2021	Online	--

A photograph showing a group of approximately 20 people, mostly men, standing in a line outdoors. They are holding a large blue banner with white and yellow text. The banner reads "किन्तु में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक" (Kintu mein sootrakrumbi ki samasya aur uska samadhan ke proti kiya jagaruk) at the top, followed by "किन्तु लोक सिविल" (Kintu Lok Sivili) in the center, and "निषेद्ध - भू-प्रदूषण से बचा दें" (Nishedha - Bacho dusse se) at the bottom. The people are dressed in various traditional Indian attire, including turbans and dhotis. The background shows a dry, open landscape with some trees.

कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर द्वारा गोव खारा वरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिंसार

हार्दिकाणा कुपी विश्वविद्यालय के कुपी विभाग के प्रबोधनालय में किसी उत्तर दिया का जवाब नहीं दिया गया। कार्यक्रम का अधिकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लाईगांव नामी जीवी प्रबोधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वज्ञान में किया गया। वाराणसी में केंद्रीय शोधकालीन और नियन्त्रण कार्यक्रम के लिए गांधी नामी जीवी प्रबोधन अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय विद्यालय द्वारा वाराणसी कार्यक्रम का एक अंगूठीकृत कार्यक्रम है। एक बड़ा कार्यक्रम जिसमें सभी कौटुम्बीय प्रबोधन की रक्खाएँ तथा कार्यक्रम व विद्यालय परिवर्तन के तहत अंगूठीकृत किया जाता है। एक बड़ा कार्यक्रम से गोपनीयक एवं सार्वजनिक ढंग से आयोगी विद्यालय में कार्यक्रम जिसमें मुख्य विद्यालय विद्यालय चूक्ला, इलाहाबाद, दुर्गा, दुर्घाटा, दीमुक्त, दीमुक्त विद्यालय से, जो कठुल की जापानी युक्तानां पापुचानी हैं। उन्हें ज्ञान दिक्षा के दृष्टीकोण से गोपनीयक ढंग से विद्यालय की नियन्त्रण के कार्यक्रम के साथ-साथ उनके सामाजिक कार्यों के बारे में विवरण दिया जाता है। साथ ही उन्हें विद्यालयों की मुद्रा जननित क्षमताएँ जीवी प्रबोधन के लिए द्वारा कार्यक्रम का प्राप्त होने वाला कार्यक्रम अदि की प्रकार भी दिया जाता है। उन्हें विद्युत ऊर्ध्व के भवनों के उपरांत विद्यालयों को फैसला दिया जाना चाहिए, विद्यालय के नियन्त्रण अदि की प्रकार भी दिया जाता है। उनकी एकाक्रम के उपरांत विद्यालयों को फैसला दिया जाना चाहिए, विद्यालय के नियन्त्रण अदि की प्रकार भी दिया जाता है। उन्हें विद्युत ऊर्ध्व के भवनों के उपरांत विद्यालयों को फैसला दिया जाना चाहिए, विद्यालय के नियन्त्रण अदि की प्रकार भी दिया जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लोक संपर्क मासिक.....

दिनांक .५. ३. २०२१... पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ४

एचएयू में हुई स्पर्धा में छाए डीएन कॉलेज के छात्र

हिसार | भाषा एवं हरियाणी संस्कृति विभाग, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज चौधरी चरणसिंह हरियाण कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में डीएन कॉलेज के छात्रों ने उल्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज के दीपक ने जल के महत्व पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हिन्दी के अपना गर्व और स्वाभिमान बताते हुए छात्रा भावना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी की दशा और दिशा पर स्वराचित कविता प्रस्तुत करके अंतिम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	03.03.2021	--	--

दीपक ने बनाया श्रेष्ठ पोस्टर व अंतिम ने सुनाई स्वरचित कविता

हिसार/03 मार्च/रिपोर्टर

भाषा एवं हरियाणाकी संस्कृति विभाग, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मातृभाषा को महत्व देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा की अतुल छाप छोड़ी। दीपक ने जल के महत्व पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रत्येक प्राणी को जल की आवश्यकता है, जल की हर बंद जीवन का आधार है, इस भाव से संयोजित पोस्टर बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मातृभाषा ही हमारी अभिव्यक्त का प्राण है, आज पारचाल्यता की अंधी दौड़ में जहाँ अंग्रेजी भाषा का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा



है, हिन्दुस्तान में अपनी ही धरा पर अपनी ही हिन्दी की दशा और दिशा पर स्वरचित कविता प्रस्तुत करके दयानंद महाविद्यालय की छात्रा अंतिम ने वहाँ बैठे सभी श्रीताजी के दिल के तारों को हिन्दी में छेड़कर संपूर्ण प्रतियोगिता में छाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जहाँ एक ओर हमारे विद्यार्थियों ने कविता पाठ प्रतियोगिता में अपने स्वर्ण हस्ताक्षर दिए वहाँ दूसरी ओर हिन्दी को अपना गर्व और स्वाभिमान बताते हुए की छात्रा भावना ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर दयानंद महाविद्यालय की गरिमा को गौरवान्वित किया। प्राचार्य ने विजेता विद्यार्थियों को सम्भवाद व शाबाशी दी। उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए हिन्दी विभाग बर्धाई का पात्र है जिन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें प्रेरित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भैनीकु २१/८५

दिनांक ५.३.२२। पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ४.....

समावेशन • धान-गेहूं और ज्वार-गेहूं के फसल चक्र में मूँग का समावेश कर बढ़ा सकते हैं उर्वरा शवित किसान मार्च में ग्रीष्मकालीन मूँग की किस्म से बढ़ा सकते हैं आमदनी

महबूब अली | हिसार

किसान ग्रीष्मकालीन मूँग उगाकर अच्छी आमदनी के साथ धान-गेहूं तथा ज्वार-गेहूं फसल चक्र में मूँग का समावेश कर भूमि की उर्वरा शवित बढ़ा सकते हैं। धान-गेहूं फसल चक्र के लिए समय से प्रचलन के कारण भूमि की उर्वरा शवित में कमी आ रही है। किसान एमएच-421, एमएच-318, बरंती, सत्या व एसएमएल-668, फिर्मो की चुआई कर प्रति एकड़ 4 विट्टेल तक पैदावार ले सकते हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि किसानों को मार्च व अप्रैल में मूँग की फसल बोने की जानकारी दी जा रही है। इसके लिए एचएयू के वैज्ञानिक व कृषि विशेषज्ञ वैविनार व सोशल मीडिया के से किसानों को टिप्प दे रहे हैं।

जानिए.. ग्रीष्म कालीन मूँग उगाने के लाभ

- ग्रीष्म में खरपतवारों का प्रकोप कम होता है
- कम आद्रिता के कारण बीमारियों व कीड़ों का प्रकोप कम होता है
- जलदी पकने से वर्षा आदि से बचाव हो जाता है
- प्राकृतिक संसाधनों का सहुपयोग हो जाता है
- किसान की अविक्षिक आय के साथ देश की विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

मूँग फसल चक्र में मूल्य संवर्धन का भी करती है कार्य

प्रो. समर सिंह ने बताया कि ग्रीष्मकालीन मूँग प्रचलित धान-गेहूं के फसल चक्र में मूल्य संवर्धन का कार्य करती है। धान-गेहूं के अलावा तोरई, आलू, सरसों, मटर, गन्ना व कपो-कपी रसी की फसल खराब होने के कारण भी खेत मार्च महीने से अगली खरीफ की फसल लगने तक खाली रहते हैं। ऐसे खेतों में ग्रीष्म कालीन मूँग को उगाकर उनका सहुपयोग किया जा सकता है।

▪ विजाई का समय: ग्रीष्मकालीन मूँग की विजाई मार्च उत्तम है लेकिन अप्रैल के पहले पखवाड़े तक भी इसकी विजाई हो सकती है। पछेती विजाई से अधिक तापमान, गर्म शुक्र हवा तथा अगेती मानसून का उत्पादन पर



प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

- बीजोपयार: बीज को बोने से पहले पानी में घिरोवायें। हल्का व खराब बीज पानी में तैर जायेगा इसे निकाल दें। इसके बाद बीज को सुखाएं। जड़ गलन रोग से बचाव के लिए प्रति किलो बीज को 4 ग्राम थाईसम से उपचारित करें।
- उर्वरक: विजाई के समय एक एकड़ में 6-8 किलो नाइट्रोजन व 16 किलो फास्फोरस डालें। इसके लिए 13-17 किलो यूरिया व 100 किलो सिंगल सुपर फास्फेट विजाई के समय डालें।